# RAJYA SABHA

Friday, the 21st August, 1981/30 Sravana, 1903 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### Loss incurred by Railways in recent floods

*81. SHRI DHARAMCHAND JAIN:†

SHRI KALPNATH RAI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the extent of loss incurred by Railways in the recent floods in the country;

(b) whether any bridges were washed away because of the fury of floods;

(c) what is the number of trains whose routes were diverted due to floods; and

(d) whether those breaches have been repaired and whether normal train services have since been restored?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the Sabha.

**Statement**

(a) Railways have sustained a loss of approximately Rs. 7.87 crores in the recent floods.

(b) Yes, Sir.

(c) 8 Mail and Express trains were cancelled and another 36 mail and express trains were diverted. Some other passenger trains were short terminated and taken back.

(d) Temporary restoration works have been carried out and services restored in all sections excepting in Jaipur—Bandikui and Jaipur—Sanganer where repairs are in progress. It is expected that services on Jaipur—Bandikui section will also be restored in the next few days. On Jaipur—Sanganer restoration of traffic is expected by September.

SHRI DHARAMCHAND JAIN: I would like to know from the Minister: is this not an every-year affairs that . . .

SHRI SITARAM KESRI: Cabinet Minister or Deputy Minister?

SHRI DHARAMCHAND JAIN: I would like to know from the Minister—whosoever is replying. It is an every-year affairs that you are losing so much of money on account of floods. So, has the Railway Board got any special cell to keep track of the life of the bridges which have outlived and, if so, what preventive measures are taken in advance?

SHRI MALLIKARJUN: Sir, it is true that floods, a natural calamity, will be coming on and off every year. As a result, the railway tracks and bridges are also being affected. The hon. Member desires to know whether the Railway Board has got any cell. Sir, particularly during the period of monsoon, the Railway Administration will take adequate care to see that all the track is properly looked after and also the bridges are properly and carefully inspected. And wherever any lacuna is found, immediately the bridge engineers will concentrate on it.

**श्री कल्पनाथ राय** : श्रीमन्, सरकार को इस बात की जानकारी है कि हर साल बाढ़ आती है और पुल बह जाते हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि जो अच्छे पुल होते हैं, जिनकी लाइफ होती है, वे भी बह जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या सरकार यह बतलायेगी कि वह ऐसा इंतजाम क्यों नहीं करती है

---

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Dharamchand Jain.

कि ऐसे पुलों की रखवाली हो और वे बाढ़ में बह न जायें और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो ? मैं स्पष्ट रूप से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसा इंतजाम करेगी ?

**श्री मल्लिकार्जुन** : श्रीमन्, पुलों के निर्माण में सरकार काफी दूर-दृष्टि से योजना बनाती है । 50 साल का ब्रिज का जीवन ठीक ढंग से रहे, इसका ध्यान रखा जाता है । किन्तु दुर्भाग्य से कुछ समय से फ्लड तेजी से आने के कारण कुछ ट्रैक्स वाश-आउट हो जाते हैं । इसमें सरकार बहुत ध्यान दे कर इनके पुनर्निर्माण करने में हर वक्त यत्न करती रहती है ।

**श्री कल्पनाथ राय** : श्रीमन् मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Anything else to add?

**श्री कल्पनाथ राय** : मैंने यह सवाल पूछा है कि हर साल बाढ़ आती है, इसकी जानकारी सरकार को है । लेकिन जो ब्रिज अच्छे हैं उनकी रखवाली न होने के कारण वे बाढ़ में बह जाते हैं । ऐसी स्थिति में मैं यह जाना चाहता हूं कि क्या सरकार उसकी रखवाली के लिये कोई इंतजाम करेगी ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो ?

**श्री केदार पांडे** : भारतीय रेलवे में 61 हजार रूट कीलोमीटर्स हैं । उनकी रक्षा हम करते हैं, उनको देखते हैं । रेलवे में 9 जोन्स हैं । हर जोन में एक सैल है, हर रिजन में एक सैल है । ब्रिजेज के बारे में वह सैल काम करता है, उनको देखता है, मानसून आने के पहले उनकी जांच होती है कि ब्रिज की हालत कैसी है । लिज की नींव पर मिट्टी जम गई हो या वह मिट्टी में दब गया हो तो पुल की सफाई होती है । इसलिये मानसून आने से पहले इस सब की खबर होती है। लेकिन साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि सारा सांइस, सारी टैक्नालाजी सब कुछ है । एवरेज बारिश के आधार पर पुल बनते हैं लेकिन सबसे बडी दुर्घटना हिन्दुस्तान में जो हुई वह राजस्थान में जयपुर में हुई । जैसा कोई कहे कि समुद्र में आग लग गई तो विश्वास नहीं होता । इसी तरह से रेगिस्तान में इतना फ्लड आया, वर्ष भर में 38 इंच पानी और 35 इंच पानी दो दिन में इसका क्या जवाब है ? इसलिये इस तरह से जो डिवास्टेशन होता है । सब कुछ हम करते हैं पर प्रकृति पर हम विजय नहीं पा सके हैं । इस तरह से अगर रेगिस्तान में फ्लड आ जाये और 38 इंच पानी बरसे और उसमें भी 35 इंच पानी दो दिन में बरसे तो इसका कोई जवाब नहीं है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Rameshwar Singh.

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK: Sir, ...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have noted your name. Please do not disturb. Yes, Mr. Rameshwar Singh.

**श्री रामेश्वर सिंह** : श्रीमन, उपसभापति महोदय, मंत्री जी ने यह बताया है कि प्रकृति पर काबू अभी तक नहीं पाया गया और इसकी मिसाल उन्होंने राजस्थान की दी । लेकिन प्रकृति पर कब्जा करने के लिये आपने एपल छोडा है । और एपल छोडकर आपने साबित किया है कि प्रकृति पर कब्जा किया जा सकता है ...

**श्री उपसभापति** : आप सवाल पूछिये ... (**व्यवधान**) . . .

**श्री जे० के० जैन:** ...इनको मालूम भी है कि प्रकृति क्या होती है ... (व्यवधान)

**श्री रामेश्वर सिंह:** आप जैसे लोगों को प्रकृति ने पैदा कर दिया है .... (व्यवधान) श्रीमन्, मैं जो सवाल पूछ रहा हूं (व्यवधान) .....ये लोग मजाक उड़ाना चाहते हैं।

आप जिस इलाके के रहने वाले हैं उसी इलाके से करीब करीब मैं भी संबंध रखता हूं। कोई ऐसा साल नहीं है, कुछ खास ऐसे इलाके इस देश में हैं जहां पर हर साल बाढ़ आती है। कुदरत की बात छोड़ दीजिये लेकिन हर साल कोई साल ऐसा नहीं है जब कि यहां बाढ़ न आती हो। यह क्रम हजारों वर्षों से चला आ रहा है। तो क्या सरकार जो ब्रिटिश पीरियड में पुल बने हैं, जिनकी हालत खराब हो गयी है, जिनकी वजह से एक्सीडेन्टस भी हो जाते हैं और यह भी कारण है जो कि पुल बाढ़ में बह जाते हैं, टूट जाते हैं और क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। मिसाल के तौर पर मैं आपको बता रहा हूं कि बनारस से जो ट्रेन चलती है मांझी को, जो बलिया और छपरा के बीच में है, यह पुल 90-95 साल पहले का बना हुआ है उस पुल पर एक्सीडेन्ट भी हो चुके हैं। आज से 10 साल पहले एक्सीडेन्ट हुआ था और उसमें कई लोग मर भी चुके हैं। उस पुल का जनता गवर्नमेंन्ट ने सर्वे कराया था और उस लाइन को ठीक करने का प्रस्ताव था। तो क्या बाढ़ की क्षति से बचाने के लिये आप इस पुल को ठीक करायेंगे? यह मेरा पहला सवाल है।

साथ ही साथ जहां पर इस तरह की घटनायें घटने की संभावना है क्या सरकार ऐसे पुलों को जल्दी से जल्दी गिरा करके 5 साल की 10 साल की कोई स्कीम बनायेगी ताकि इन पुलों की जगह नये पुल बनाये जा सकें? तो क्या कोई ऐसी स्कीम सरकार के विचाराधीन है?

**श्री केदार पांडे:** अभी तक ऐसी कोई स्कीम नहीं है। लेकिन जिस पुल की चर्चा आपने की है और जिसके बारे में जनता पार्टी की सरकार ने सर्वे किया था, मैं उस को देखूंगा और इसकी कोशिश करूंगा कि इस में कितना सुधार हो सकता है वह मैं करूंगा। जहां तक और पुलों के बारे में सुझाव किया गया है और जो फ्लड एफेक्टेड एरिया है और जहां पर रेलवे लाइन हैं वहां जहां भी पुल कमजोर होंगे उनका सर्वे करा कर उसको ठीक करने की हम कोशिश करेंगे।

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK: Sir, may I draw the attention of the Railway Ministry to this fact that we may not have money, we may not have bridges, we may not have anything but we should have common sense? I think, if only we display common sense, a lot of accidents can be averted. Now I want to place on record that when a train is in motion, the momentum is the real point that actually causes an accident—which they should understand. Mass x Velocity gives momentum. So when a bridge comes, if the train slows down the chances of accident are less. Secondly, before the monsoon comes, all these bridges must be inspected to see whether they can stand the strain or not, and it is better that in course of time we should have second bridges also. And also on bridges on either side there should be a signal system to stop the train and to see that there is safety. Otherwise, there would not be such false reports that a train was blasted away by storm at Bagmati. Again, I correct the Minister that there is no fire in the ocean. Fire in ocean is called badabanil.

SHRI KEDAR PANDE: We are going to have a debate in this House on Railway accidents for two hours. We shall discuss all these things there.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Swami Dinesh Chandra.

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK: Sir, I did not get a reply.

*(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please wait.

SHRI R. MOHANARANGAM: This side also. This side should also catch your eye.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am seeing you very much.

SHRI SWAMI DINESH CHANDRA: The hon. Minister recently visited Jaipur. I would like to know his observation regarding the extent of damage in the Jaipur district. Secondly, I would also like to know whether any bridges have been washed away in Jaipur-Bandikui and Jaipur-Sanganer sections. The breaches occurred on the 20th of July. Why has there been so much delay in restoring the railway traffic, especially in Jaipur-Bandikui and Jaipur-Sanganer sections?

SHRI MALLIKARJUN: It is true that there were unexpected floods on the 17th, 18th, 19th and 20th of July and some of the bridges were washed away in the western area, particularly in Jaipur division. It is also true that Jaipur-Bandikui section has not yet been restored. It will be restored on the 23rd of August for the traffic. And so far as the Jaipur-Sanganer section is concerned, it will be repaired next month; work is in progress.

SHRI SWAMI DINESH CHANDRA: Why so much delay in restoring the railway traffic? After all, what is the cause for this delay?

SHRI MALLIKARJUN: Because of the extent of the damage that occurred.

SHRI SWAMI DINESH CHANDRA: What is the extent of damage? The Hon. Minister should tell us.

SHRI MALLIKARJUN: When I told you that other sections have been restored and these two have yet to be restored, it is obvious that the extent of damage that has occurred is quite high and we have to repair them to perfect form.

SHRI KEDAR PANDE: I have been to Jaipur and I found that there has been terrible loss—there is no doubt about it—to the extent of Rs. 7 crores or so. Twelve or thirteen bridges have been washed away. So it will take some time. There has been no delay on behalf of the Indian Railways.

**श्री हरीशंकर भाभड़ा:** उपसभापति महोदय, मैं दोनों मंत्रियों से पूछना चाहता हूं जवाब दोनों एक साथ देते हैं। जयपुर राजस्थान की राजधानी हैं और पिछले महीने भर से जयपुर चारों तरफ से कट-आफ है। बांदीकुई और जयपुर सांगानेर -जयपुर इसके बारे में पूछा गया है कि देरी क्यों हो रही है तो यह कह रहे हैं कि चूंकि 12 ब्रिजेज हैं। अब सवाल यह है कि क्या आप इसको महत्व देना चाहते हैं? जयपुर जो कि राजस्थान की राजधानी है उसको जल्दी से जल्दी बाकी के देश के हिस्सों से जोड़ा जाए और इसलिए इस काम को प्राथमिकता दे कर और सर्वप्रथम उसको महत्व दे कर किया जाये न कि रुटीन में। आप केवल यह न कहें कि संख्या ज्यादा है। आपके पास पैसा भी है साधन भी हैं लेकिन जयपुर का बाकी हिस्सों से जुड़ा न रहना यह लाखों लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। इस संबंध में आप इसको कितनी प्राथमिकता दे रहे हैं इस पर आप जरा प्रकाश डालें।

**श्री केदार पांडे** : उपसभापति महोदय यह बात ठीक है हम टाप प्रिफरेंस जयपुर को दे रहे हैं और हम इसको डिफेंस प्वांइट आफ व्यु से भी देखेंगे। जयपुर से कुछ हिस्सा रेस्टोर हो गया है और कुछ अभी बाकी है। इस पर भी हम

जोर लगा रहे हैं। जितने साधन हमारे पास हैं हम जल्दी से जल्दी कम्युनिकेशन को रेस्टोर करने की कोशिश करेंगे।

SHRI R. MOHANARANGAM: Sir, our Railway Minister has stated in reply to part (d) of the question that the temporary restoration works have been carried out and services restored in all sections, excepting Jaipur-Bandigui section and some other section. Just two days back there was an accident in Tamil Nadu, of the Island Express.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That we will discuss on Monday.

SHRI R. MOHANARANGAM: You kindly don't interfere. You are there to protect the interests of the Members. I have not yet finished.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Put the question.

SHRI R. MOHANARANGAM: He has stated that temporary restoration works have been carried out. I want to know whether because permanent restoration works were not carried out, such accidents are occuring.

SHRI MALLIKARJUN: I would like the hon. Member to repeat the question.

SHRI R. MOHANARANGAM: You have said that temporary restoration works have been carried out and services restored in all sections excepting Jaipur and some other places. Because you have not given some permanent remedy to all these sections, such accidents are occuring at present. Even yesterday also there was an accident because there are no permanent restoration works.

SHRI MALLIKARJUN: The breach took place due to the floods. Attention will be towards temporary restoration with a permanent plan of action to make it *pucca* for all time to meet the traffic.

**श्री महेन्द्र मोहन मिश्र :** श्रीमन् यह प्रश्न देखने से लगता है कि सारे प्रश्न का मुद्दा पुलों से संबंधित है। मैं उस क्षेत्र से आता हूं जहां काफी नदियां हैं इसलिए पुल स्वाभाविक हैं। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि आप क्या ऐसे पुलों की संख्या कह सकते हैं जो अपनी आयु की सीमा पार कर चुके हैं और खास करके जहां ऐसे लकड़ियों के पुल हैं वैसों की सूची क्या है और अगर सीमा पार कर गये हैं तो क्या आपके मंत्रालय में ऐसी योजना है कि जो पुल आऊट लिव्ड हो गये हैं उनको री कन्स्ट्रक्ट किया जाय। उनको नया करने की योजना आप सोच रहे है या तैयार कर रहे हैं। इसलिए कितनी संख्या लकड़ी के पुलों की और कितनी उनकी है जो आउट लिव्ड कर गये हैं?

**श्री केदार पांडे :** श्रीमन् स्टेटिस्कस तो मेरे पास अभी नहीं है लेकिन यह बात जरुर है कि जो ब्रिजेज आऊट लिव हो गये हैं उनको हम जरुर चाहते हैं कि रिप्लेस करें .... (**व्यवधान**) वह नम्बर, मेरे पास अभी अवेलेबल नहीं नहीं है (**व्यवधान**) अभी मैं कह रहा हूं कि मेरे पास नम्बर नहीं है, मालूम नहीं है। वे नोटिस दें तो मैं बता दूंगा।

**श्री सदाशिव बागाइतकर :** मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अभी जो सवाल माननीय सदस्य ने पूछा है.. (**व्यवधान**) उसका जवाब और उसके बारे में जो स्टेटमेंट मंत्री जी आगे चल कर करेंगे ऐसी मैं उम्मीद करता हूं। चूंकि मेरा सवाल यह है कि सवाई माधोपुर के पास पश्चिम रेलवे का जो पुल बाढ़ में बह गया बम्बई, दिल्ली लाईन पर तो क्या यह सही नहीं है कि इस पुल के बारे में रेलवे मंत्रालय के पास पहले भी सूचना थी कि वह बहुत कमजोर और पुराना हो चुका है और अगर यह सही है तो इसको मरम्मत जल्दी से करनी चाहिए थी वह नहीं की, इसलिए वह

पुल बह जाने का संकट और यातायात में गड़बड़ी पैदा होने का संकट आ गया। तो क्या यह सही नहीं है कि रेलवे के पास यह सूचना थी कि वह पुल कमजोर हो गया है और उसको मरम्मत की आवश्यकता है। क्योंकि मेरी जानकारी में उसकी मीयाद भी खत्म हो चुकी थी। अगर ऐसी स्थिति है तो मंत्री जी इसका जवाब दें तथा जितने पुल इस तरह के हैं जिनकी मीयाद खत्म हो चुकी है वे कितने हैं, अभी आपके पास स्टेटिस्टिक्स नहीं है तो बाद में स्टेटमेंट देकर बतायें।

**श्री केदार पांडे** : जिस खास पुल की चर्चा अभी आपने की उसकी खबर तो हमको अभी नहीं है। लेकिन मैं जरूर इसकी जांच कराऊंगा कि उसकी सूचना थी तो क्यों ऐसा हुआ और उस पुल को मजबूत बनाने की कोशिश की जायेगी। इसके अलावा और जहां जहां पुल ऐसे हैं उनकी सूचना तैयार कराऊंगा उसके बाद जो प्रापर एक्शन है मैं जरूर लूंगा .... (व्यवधान)

**श्रीमती मनोरमा पांडेय** : उपसभापति महोदय, माननीय रेल मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया कि इनके यहां एक सैल है जो इसकी जांच पड़ताल करता है कि कौन से पुल खराब हैं और कौन से सही हैं तो मेरा उनसे यही प्रश्न है कि क्या अगले बाढ़ के सीजन के आने से पहले वे ऐसे तमाम पुलों की जो क्षति ग्रस्त हैं या कमजोर है इस तरह की जांच करवा करके उनको रिपेयर करवाने की कोशिश करेंगे ?

**श्री केदार पांडे** : अब इसके बारे में पहली बात यह है कि 9 जोन रेलवे में हैं। हर जोन में एक सैल है, कोई आल इंडिया सैल नहीं है अलग अलग सैल है और मानसून आने के पहले इन सबकी जांच होती है। लेकिन जो दूसरा मानसून आने वाला है उसके पहले मैं इसकी पूरी तैयारी करूंगा कि इस तरह की घटना न घटे। कोशिश करूंगा क्योंकि राज्य सभा में पहले पहल इस तरह की चर्चा हुई है इसलिए मेरा भी ध्यान इस तरफ आकर्षित हुआ है।

*82. **[The questioner (Shri S. Kumaran)** was absent, For answer vide **col.** 31-32 infra].

**India's Share in the Mineral Resources in Deep Sea-Bed**

*83. DR. LOKESH CHANDRA:†
DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state the steps taken by Government to ensure that India gets a fair share of mineral resources in the deep sea-bed outside our territorial jurisdiction?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): Under the draft Convention on the Law of the Sea presently being negotiated at the Third U. N. Conference on the Law of the Sea, India's interests, as far as the resources of the deep seabed beyond the limits of national jurisdiction are concerned, will be protected either through joint ventures with the Authority or the Enterprise to be set up under the Convention, or through collaboration with industrialised States in the non-reserved Area, or through independent efforts in deep seabed mining. India has been working in close collaboration with other developing countries in ensuring that a fair and equitable international regime to control the exploration and exploitation of the international seabed area is established.

†The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Lokesh Chandra.